इस्पात उद्योग के विकास के संबंध में मंत्रालय की मांग की तुलना में उसे आबंटित धनराशि में भारी कटौती की है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस कटौती से इस्पात उद्योग के विकास को गहरा आघात पहुंचेगा;

(ग) यदि हां, तो क्या यह सच है कि इस्पात के उत्पादन में वृद्धि करने की, जिसकी कि प्रचुर संभावनाएं मौजूद हैं, बहुत आवश्यकता है; और

(घ) यदि हां, तो आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस्पात-उद्योग के विकास के लिए सरकार की भावी योजना क्या है?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव): (क) और (ख) संसाधनों की समग्र उपलब्धता और अन्य दूसरे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 24,756 19 करोड़ रुपये के प्रस्तावित परिव्यय की तुलना में इस्पात क्षेत्र के लिए योजना आयोग द्वारा अन्तिम रूप से 14,579 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

(ग) और (घ) मांग और पूर्ति के अन्तर को समाप्त करने के लिए उत्पादन में वृद्धि करने की आवश्यकता है। इस्पात उद्योग के विकास के लिए सरकार ने अनेक कदम उठाये हैं। लोहे और इस्पात को "सरकारी क्षेत्र के लिए आरक्षित उद्योगों की सूची" से निकाल दिया गया है। इसे अनिवार्य लाइसेंसिंग से भी छूट दी गई है। 16.1.92 से इस्पात के मूल्य वितरण पर से भी नियंत्रण समाप्त कर दिया गया है। इन उपायों से अतिरिक्त क्षमता को सृजित करने के लिए निजी क्षेत्र निवेश करने के लिए प्रोत्साहित होगा। इस्पात प्रगलन स्क्रैप और अन्य माध्यमिक उत्पादों पर आयात शुल्क को भी कम कर दिया गया है ताकि गौण क्षेत्र उत्पादन बढ़ा सके। एकीकृत इस्पात संयंत्र आधुनिकीकरण विस्तार की प्रक्रियाधीन हैं। घरेलू उत्पादन में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक भारत इस्पात की अधिकांश श्रेणियों में आत्मनिर्भर हो जाएगा।

Foreign investment in Steel Project in Orissa

3413. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is an offer from the British Steel and a consortium of U.S. companies to invest in the Daitari Steel Project of Orissa; and

(b) if so, what are the details there-»f?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) and (b) For setting up the Daitari Steel Plant, 'a Memorandum of Understanding had been signed earlier by the Government of Orissa with Dr. Swaraj Paul of the Caparo Group of United Kingdom. It has been intimated by the Government of Orissa that M/s. British Steel Consultants and Metallurgical & Engineering Consultants (India) Ltd. are the consultants engaged by Dr. Swaraj Paul for the Daitari Steel Plant. The State Government has not received any proposal from any Consortium of American Companies regarding their proposal to invest in the Daitar Steel Plant.

Increase In the prices of Aluminium and Steel

3414. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWAL: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there hag been an increase of about 20 per cent in aluminium and steel prices

during the year 1991-92 and! April, 1992, if so, what are the reasons Vie-refbr; and

(b) what steps Government propose to talce to contain the rising prices of aluminium and steel?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) During the year 1991-92 and in April, 1992, the integrated steel plants increased the prices of steel on account of increases in excise duty and railway freight. The impact of these increases, on an average, was less than 10 per cent.

There was an increase of about 10 per cent in the Aluminium prices during 1991 and another increase of about 9 per cent in 1992. The prices of aluminium were decontrolled! w.e.f. 1-3-1989. According to primary producers of aluminium, these increases were mainly due to increase in the cost of inputs like coal, energy and various other raw materials.

(b) The new Industrial Policy will encourage creation of new capacities in the private sector and bring about greater competitiveness in the industry which will have a restraining influence on prices.

इस्पात का उत्पादन

3415. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा संचालित विभिन्न संयंत्रों की अलग-अलग वर्तमान इस्पात उत्पादन क्षमता कितनी-कितनी है;

(ख) लाभ में चल रहे संयंत्रों तथा घाटे में चल रहे संयंत्रों के नाम क्या हैं; और

(ग) विगत दो वर्षों के दौरान विभिन्न संयंत्रों की स्थिति के संबंध में ब्योरा क्या है?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) वर्ष 1992-93 के दौरान 'सेल' के संयंत्रों की विक्रेय इस्पात की विद्यमान उत्पादन क्षमता निम्नानुसार है :-

(इकाई हजार टन)

भिलाई इस्पात संयंत्र .	3153
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र .	938
राउरकेला इस्पात संयंत्र .	1170
बोकारो इस्पात संयंत्र .	3156
इंडियन आयरन एंड स्टील कम्पनी . .	406
मिश्र इस्पात संयंत्र .	183.5
सेलम इस्पात संयंत्र .	70
विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील लिमिटेड .	113

(ख) (i) 'सेल' के निम्नलिखित इस्पात संयंत्रों ने 1991-92 के दौरान लाभ अर्जित किया :

भिलाई इस्पात संयंत्र
राउरकेला इस्पात संयंत्र
बोकारो इस्पात संयंत्र
मिश्र इस्पात संयंत्र
सेलम इस्पात संयंत्र

(ii) इस्पात और लौह मिश्रधातु का उत्पादन करने वाले 'सेल' के निम्नलिखित संयंत्रों और सहायक कम्पनियों को 1991-92 के दौरान हानि हुई :-

दुर्गापुर इस्पात संयंत्र
इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लि.
विश्वेश्वरैया आयरन एण्ड स्टील लि.